मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 48, मुंबई, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

7 राज्यों में... राहत के कदम

20 अप्रैल से हरियाणा में ढाबे, यूपी में कारोबार, झारखंड में ई-ओपीडी शुरू होगी

राजस्थानः 21 अप्रैल से मॉडिफाइड लॉकडाउन, ग्रामीण-औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन भी शुरू होगा

संवाददाता

नई दिल्ली। लॉकडाउन का सबसे ज्यादा नुकसान देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। 3 मई तक लॉकडाउन के दूसरे फेज में लोगों की रोजी-रोटी बचाने के लिए सरकार काफी हद तक रियायतें देने वाली है। हरियाणा में ढाबे, यूपी में ई-व्यापार, झारखंड में ई-ओपीडी चालू की जाएगी। राजस्थान, छत्तीसगढ, बिहार में भी अस्पताल और कारोबार शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। मध्यप्रदेश में भोपाल, इंदौर और उज्जैन के अलावा बाकी जिलों में राहतें मिलना शुरू हो जाएंगी। महाराष्ट्र और पंजाब में 30 अप्रैल तक कर्फ्यू लगा है। ऐसे में दोनों राज्यों में किसानों के अलावा किसी को कोई राहत नहीं मिलेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में खुल सकती हैं मिठाई और नमकीन की दुकानें

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्रः कोरोना के 286 और मामले

राज्य में मरीजों की संख्या हुई 3202

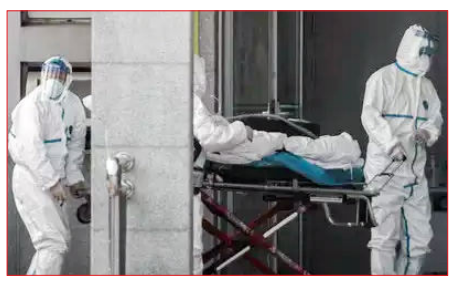

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के गुरुवार को 286 मामले सामने आए जिससे राज्य में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 3200 हो गई है। इस वायरस की चपेट में आने से गुरुवार को 7 और लोगों की मौत हो गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बीएमसी का दावा, देश के 12.59 फीसदी टेस्ट मुंबई में

दूसरी तरफ बीएमसी ने गुरुवार को दावा किया कि उसने 27,000 से अधिक कोविड-19 परीक्षण किए हैं जो देशभर में अब तक किए गए कुल परीक्षणों का 12.59 प्रतिशत है। बीएमसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह भी दावा किया कि मुंबई में इस बीमारी का सामुदायिक प्रसार नहीं हुआ है। मुंबई में अब तक कोरोना वायरस के 2,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। बीएमसी ने कहा कि उसने 13 अप्रैल तक 27,397 परीक्षण किए जबकि पूरे देश में 2,17,554 परीक्षण किए गए।

सरकार का विमानन कंपनियों को निर्देश

लॉकडाउन में बुक कराए हवाई टिकट का पूरा पैसा लौटाएं

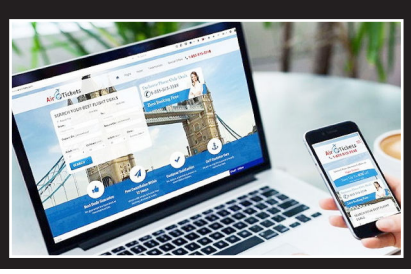

संवाददाता

नई दिल्ली। सरकार ने लॉकडाउन के पहले चरण में तीन मई तक की यात्रा के लिए बुक कराए गए हवाई टिकट पर विमान कंपनियों को तीन सप्ताह के भीतर पूरा पैसा लौटाने का निर्देश दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को इस संबंध में एक परामर्श जारी किया है। इसमें बताया गया है कि लॉकडाउन के पहले चरण यानी 25 मार्च से 14 अप्रैल के बीच यदि विमान सेवा कंपनियों ने लॉकडाउन के पहले या दूसरे चरण (25 मार्च से 03 मई) के लिए टिकट बुक किए हैं और उन्हें बुकिंग के पैसे पहले लॉकडाउन के दौरान ही मिल गया है तो वे टिकट रद्द कराने वाले यात्रियों को पूरा पैसा वापस करेंगे। पैसा तीन सप्ताह के भीतर वापस करना होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

सेवा का सम्मान रहे

भारत में चिकित्सक समुदाय पर लगातार जारी हमलों की जितनी निंदा की जाए, कम ही होगी। ये हमले न केवल जघन्य अपराध हैं, बल्कि अमानवीयता की पराकाष्ठा भी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार से लेकर नई दिल्ली तक अनेक राज्य हैं, जहां कोरोना जांच या सेवा में लगे लोगों पर हमले किए जा रहे हैं। अमेरिका, मेक्सिको, फिलीपींस, आइवरी कोस्ट, पाकिस्तान इत्यादि अनेक देशों में भी चिकित्साकर्मियों पर हमले हुए हैं, लेकिन भारत में मानो ऐसे हमलों का सिलसिला-सा चल पड़ा है। इंदौर हो या मुरादाबाद या औरंगाबाद, जो डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, पुलिसकर्मी लोगों के बचाव और सेवा के लिए खुद को जोखिम में डालकर जा रहे हैं, वे न केवल प्रशंसा, बल्कि श्रद्धा के अधिकारी हैं। महामारी के समय में जब सगे भी कन्नी काटने को मजबूर हैं, तब जो सेवक लोगों को मरहम लगाने, सुरक्षित करने के लिए आ रहे हैं, उनसे बड़ा सगा भला कौन है? यह बात किसी से छिपी नहीं है कि भारत में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी सेवा करते हुए अपनी जान गंवा चुके हैं। कौन ऐसा असभ्य है, जो यह सच नहीं जानता? हम इन सेवकों का भरोसा तोड़ देंगे, तब कौन हमारी सेवा के लिए आगे आएगा? आज कौन ऐसा है, जो डॉक्टरों से सेवा लिए बगैर पला-बढ़ा है? कौन हैं वे लोग, जिन्हें उनके अभिभावकों, उपदेशकों ने डॉक्टरों का सम्मान करना नहीं सिखाया है? कौन हैं वे लोग, जो दुनिया और समाज से इतने कटे हुए हैं कि उन्हें अपने भविष्य और अपनी कारस्तानी से बन रही असभ्य दुनिया की कोई परवाह नहीं है? सेवा को पत्थर मारने वालों ने आज पूरी सभ्यता को कठघरे में खड़ा कर दिया है। हमें भूलना नहीं चाहिए, कई ऐसे वन्य-जीव अभयारण्य हैं, चिड़िया घर हैं, जहां वन्य-जीव भी अपने डॉक्टरों और उनके वाहन तक को पहचानते हैं। हमारे घरों में भी ऐसे पालतू जीव हैं, जो सेवा व व्यवहार का अर्थ जानते हैं। आज कोरोना काल ने हमें सेवा और यथोचित व्यवहार पर फिर से सोचने के लिए विवश कर दिया है। जिन इलाकों से ऐसे हमलावर निकल रहे हैं, उन इलाकों को विशेष रूप से चिह्नित करने की जरूरत है, ताकि इंसानियत को लगी असली बीमारी का माकूल इलाज हो सके। हमें देखना होगा कि इंदौर से संभल तक वे कौन से इलाके हैं, जहां सेवा का मोल नहीं समझा गया है? उन इलाकों में कौन लोग हैं, जो वहां के समाजों को निर्देशित-संचालित करते हैं? वहां के जन-प्रतिनिधि कौन हैं? ऐसे इलाकों के तमाम सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक कर्णधारों को मानव सभ्यता का पाठ सबसे पहले पढ़ना होगा, ताकि वे अपने लोगों को समस्या नहीं, बल्कि समाधान का हिस्सा बनाएं। भारत में इस असभ्यता का एक दूसरा पहलू भी है, जिसकी समीक्षा सरकारी तंत्र को करनी चाहिए। ऐसे इलाकों में विशेष रूप से पुलिस व अधिकारियों की जिम्मेदारी ज्यादा है। गौर करना होगा कि लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं?

कोरोना कहर से डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी जूझ रहे, पर उनके लिए अनुकूल माहौल बना रही पुलिस

जब पूरा देश कोरोना वायरस से उपजी वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है तब डॉक्टरों, स्वास्थ्य एवं सफाई कर्मियों के साथ-साथ पुलिस की भी भूमिका अहम हो गई है। समाज की निगाहें पुलिस के कामकाज और उसके तौर-तरीकों पर हैं। इस महामारी ने लोगों को घरों के अंदर बैठा दिया है और उनके पास करने को कुछ खास काम भी नहीं है। इस परिस्थिति में कोरोना के खिलाफ जंग में कौन कितना काम और कैसे कर रहा है, इसे जांचने-परखने के लिए लोगों को समय भी मिल गया है।

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया तो पहले से ही था, अब सोशल मीडिया की बदौलत जन-जन तक हर जानकारी हाथों-हाथ पहुंच रही है। देश की जनता न केवल पुलिस के कामकाज को देख रही है, बल्कि पुलिस के सामने आ रही चुनौतियों का संज्ञान भी ले रही है। वह पुलिस को उन समस्याओं से अवगत कराने का भी काम कर रही है जो देश में कहीं पर भी सामने आ रही हैं।

सोशल मीडिया के इस युग में किसी समस्या को छिपाना संभव भी नहीं। यदि पुलिस किसी समस्या से अनजान भी होती है तो किसी न किसी के जरिये वह उससे परिचित हो जाती है। दरअसल मीडिया और खासकर सोशल मीडिया ने पुलिस तक आम लोगों की पहुंच बहुत आसान बना दी है। इसे आसान बनाने का काम खुद पुलिस ने भी किया है। वह सोशल मीडिया पर उपलब्ध है और कोई भी उसे अपनी समस्या-शिकायत से अवगत करा सकता है। अक्सर पुलिस की आलोचना होती है, लेकिन तमाम आलोचना के बावजूद एक सभ्य समाज संकट की घड़ी में आम तौर पर सबसे पहले उसे ही याद करता है, भले ही उस संकट से निपटना सीधे तौर पर पुलिस के कार्याधिकार में न आता हो। आज ऐसी ही परिस्थिति है। पुलिस लोगों को खानादवाएं मुहैया कराने के साथ उनकी अन्य जरूरतों को पूरा कर रही है। आज के माहौल को देखते हुए मुझे दिल्ली के वसंत कुंज थाने में बरसों पहले आई उस पीसीआर कॉल का स्मरण हो आता है जिसमें एक सच्जन ने अपने कूलर में सांप घुस आने पर पुलिस से मदद मांगी थी। आज तो लोग हर तरह की सहायता के लिए पुलिस से मदद मांग रहे हैं।

संकट की हर घड़ी में पुलिस को याद करना उसके प्रति जनता के भरोसे का परिचायक है। पुलिस के लिए इससे बेहतर स्थिति और क्या हो सकती है कि देश के लोग उसे अपनी सब समस्याओं का समाधान करने वाला समझ रहे हैं। बहुत लोगों ने ऐसी-ऐसी परेशानियों में पुलिस को याद किया है जिनसे परंपरागत तौर पर एक पुलिसकर्मी का कोई वास्ता नहीं होता। आज पुलिस के कार्यक्षेत्र का दायरा बहुत व्यापक हो गया है। पुलिस के बढ़ते कामकाज को लेकर पुलिस महकमे में अक्सर माथापच्ची होती आई है। पुरानी पीढ़ी के कुछ पुलिस अधिकारी पुलिस के कार्यक्षेत्र को परंपरागत रूप से अपराध की रोकथाम और अपराधी को पकड़ने तक ही सीमित रखने के हिमायती हैं। कुछ अधिकारियों को तो पुलिस को सुरक्षा कार्य में लगाए जाने को लेकर भी एतराज रहा है। इसके विपरीत शांति सेवा और न्याय के आदर्श को साथ लेकर चलने वाले पुलिस अधिकारियों को पुलिस के बढ़ते कामकाज से कोई गुरेज नहीं है। होना भी नहीं चाहिए। आज की तेजी से बदलती परिस्थितियों में पुलिस को अपने दायरे को संकुचित नहीं रख सकती। उसे जन कल्याण की भावना से वह सब कुछ करने के लिए सहर्ष तत्पर रहना चाहिए जिसकी अपेक्षा मुसीबत में पड़ा व्यक्ति पुलिस से करता है।

हां, फौरी मदद के बाद वह काम संबंधित विभाग के हवाले करने की व्यवस्था बनाना आवश्यक है, अन्यथा पुलिस का अपने असल मकसद से भटक जाने का खतरा पैदा हो जाएगा और उस पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा बढ़ जाएगा। वैसे भी वह काम के बोझ से दबी हुई है। कोरोना के कहर से बचने के लिए जारी लड़ाई में पुलिस की महती भूमिका ने इस बात को पूरी दुनिया में बड़ी मजबूती से स्थापित कर दिया है कि संकट काल में जनता की पहली पसंद पुलिस ही है। अब जब लोगों की पुलिस से उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं तब पुलिस कर्मियों के सामने एक ओर जहां अपना काम बखूबी निभाने की जिम्मेदारी है वहीं दूसरी ओर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती भी है। वैसे तो कोरोना के कहर से सीधे तौर पर डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी ही जूझ रहे हैं, लेकिन उनके लिए अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण में पुलिसतंत्र की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

दिल्ली के निजामुद्दीन जैसे इलाकों में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पुलिस सहायता के बिना काम करना लगभग असंभव है। ऐस में पुलिस के सामने दोहरी चुनौतियां हैं-एक कानून का पालन कराना और दूसरे, असामाजिक तत्वों से निपटते हुए कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए किए जा रहे उपायों में योगदान देना।

इस पर भी गौर करने की आवश्यकता है कि जहां स्वास्थ्यकर्मी सेहत के लिए पैदा किसी आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित होते हैं वहीं पुलिसकर्मी आमतौर पर ऐसे प्रशिक्षण से कम ही गुजरे होते हैं। बावजूद इसके पुलिस इन विषम परिस्थितियों में अपनी कर्तव्यपरायणता द्वारा दूसरे सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के सामने अपने काम की मिसाल पेश कर रही है। चूंकि देशव्यापी लॉकडाउन को विस्तार दे दिया गया है इसलिए यह तय है कि आने वाले दिनों में पुलिस की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। उम्मीद है कि मौजूदा चुनौतियां पुलिस को और अधिक जिम्मेदार एवं संवेदनशील बनाएंगी तथा उसके मानवीय चेहरे को और चमकाएंगी।

कोरोना संकट के समय देश एक जुट खड़ा है

इस मुश्किल समय जब सारी दुनिया एक अनजाने से शत्रु-कोरोना वायरस और उससे उपजी महामारी कोविड-19 से जूझ रही है तब शासनाध्यक्षों की परस्पर तुलना नहीं की जानी चाहिए, फिर भी एक भारतीय होने के नाते यह गौरवबोध तो होता ही है कि अपने त्वरित निर्णयों की बदौलत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अग्रिम पंक्ति पर खड़े होकर नेतृत्व देने वाले नायक के रूप में उभरे हैं। यूरोप में मृत्यु का भयावह रूप सभी देख रहे हैं और अब वही वीभत्स नाच अमेरिका में हो रहा है। ऐसे समय भारत में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या कम कैसे रह गई, यह शोध और आश्चर्य का विषय बन गया है। हो सकता है कि आगे कभी पता चले कि भारतीयों के खान-पान और जीनवशैली ने उन्हें कोरोना से बचा लिया, लेकिन इतिहास मोदी को उनके द्वारा लॉकडाउन के फैसले के लिए पूरे नंबर देने वाला है। इतनी विपुल जनसंख्या वाले देश को एक लंबी अवधि तक बंद करने का निर्णय सरल नहीं था, लेकिन मोदी को कड़े फैसलों के लिए ही जाना जाता है। लोग याद करने बैठेंगे तो भी याद न कर सकेंगे कि इससे पहले कब किसी नेता की अपील पर दो-दो बार सारा देश एकजुट हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा तो लोग ताली-थाली बजाने निकल पड़े। उन्होंने कहा तो लोगों ने चैत में दीवाली सी मना ली। कोरोना से युद्ध के तरीकों के साथ ही मोदी की सामूहिक अपीलों ने फिर उन्हें जननेता सिद्ध कर दिया। उनकी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने कोरोना से होने वाली विभीषिका का पूवार्नुमान लगा लिया। विपदा की प्रतीक्षा नहीं की, बल्कि उसके निदान के लिए योजना बनाई और उसके क्रियान्वयन में जुट गए। जब पूरा देश निश्चिंतता में जी रहा था, तब वह कोरोना के संभावित खतरों से निपटने के निर्णय ले रहे थे और जनता से सक्रिय संवाद की भी योजना बना रहे थे। इस पूरे विपदा काल में केंद्र सरकार बहुत चपल दिखी। फरवरी माह से ही मोबाइल फोन एवं अन्य प्रसारण माध्यमों से कोविड 19 की रोकथाम एवं उससे बचने के संदेश और सलाह प्रसारित होने लगी थीं। स्वयं प्रधानमंत्री ने होली न मनाने का निर्णय लेते हुए हुए सभी को सोशल डिस्टेंसिंग यानी सार्वजनिक मेल-मिलाप से परहेज करने का संदेश दिया। इस बात को सभी समझते हैं कि भारत की सामाजिक संरचना ऐसी है कि यहां लोग सामूहिकता में जीते हैं, एक साथ रहते हैं और आमतौर पर नियम नहीं मानते। लोगों की आदत नियम तोड़ने की होती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
17 अप्रैल, 2020

महाराष्ट्र में खुल सकती हैं मिठाई और नमकीन की दुकानें

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को 3 मई तक राज्य में लॉकडाउन की अधिसूचना जारी कर दी। हालांकि सरकार ने खाद्य उद्योग सहित कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए नियमों में ढील दी है। सरकार की ओर से मिठाई, फारसन (नमकीन) और कन्फेक्शनरी बेचने वाली दुकानें खुली रह सकती हैं, बशर्ते वे सोशल डिस्टेंसिंग लागू करें। इससे पहले, राज्य सरकार ने बेकरी को फिर से खोलने की अनुमति देने के मानदंडों

में ढील दी थी। मुख्य सचिव अजॉय मेहता द्वारा जारी अधिसूचना में नॉन-एसेंशिएल गुड्स, कृषि और बागवानी उत्पादों के प्रसंस्करण से संबंधित उद्योगों, पैकेजिंग और परिवहन को अंतर और अंतर-राज्य परिवहन के लिए अनुमति दी गई है। नॉन एसेंशिएल गुड्स की आवाजाही की अनुमति देने के फैसले से ट्रक चालकों को मदद मिलेगी, जो कई चेक पोस्ट पर पर सामानों के साथ फंसे हुए हैं। अब वे जिला और राज्य की सीमाओं को पार कर सकते हैं।

15 लाख से अधिक दैनिक मजदूरों को मिलेगी राहत

लॉकडाउन में ढील पर संशोधित दिशानिर्देश से 20 अप्रैल के बाद राज्य में अनुमानित 15 लाख दैनिक वेतन भोगियों को राहत मिलेगी। जल संसाधन विभाग के सचिव आई. एस. चहल के अनुसार, लॉकडाउन मानदंडों में ढील दिए जाने के बाद राज्य भर में सिंचाई परियोजनाओं पर 15,700 से अधिक दैनिक श्रमिकों के काम पर वापस आने की उम्मीद है। विभाग की 313 परियोजनाएं चल रही हैं। कृषि सचिव एकनाथ दावाले ने कहा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी के तहत काम बंद कर दिया गया था, लेकिन अब नए दिशानिर्देशों के मद्देनजर, उन्हें 20 अप्रैल से फिर से शुरू किया जा सकता है। इससे 2.6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है। छूट के बाद, निर्माण, लघु उद्योग और कृषि क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी वृद्धि होगी। इस क्षेत्र में लगभग पांच लाख लोग लगे हैं। राज्य में 12 लाख से अधिक पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। अनुमान है कि 10 लाख निर्माण श्रमिक काम पर वापस आ जाएंगे।

फर्जी खबर को लेकर दो पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि राज्य के मंत्री जितेंद्र आव्हाड की बेटी के स्पेन से लौटने के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित होने की कथित तौर पर झूठी खबर चलाने वाले एक समाचार चैनल के संवाददाता और समाचार प्रस्तोता (एंकर) के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया गया है। हालांकि, देशमुख ने संबद्ध समाचार चैनल का नाम नहीं बताया। देशमुख ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि इस प्रक्रिया में कोरोना वायरस से संक्रमित किसी भी मरीज के नाम का खुलासा नहीं करने की आचार संहिता का उल्लंघन किया गया। उन्होंने कहा कि चैनल ने यह जानबूझकर किया और यह गैर जिम्मेदारी भरा गंभीर मामला है। देशमुख ने कहा कि ऐसे समय में जब कोरोना वायरस महामारी लेकर डर का माहौल है तो 'फर्जी और दहशत फैलाने वाली' खबरों का प्रसारण करना गलत है। हाल ही में आवास मंत्री आव्हाड ने एक पुलिस अधिकारी से बातचीत की थी, जो बाद में संक्रमित पाया गया। मंत्री ने एहतियात के तौर पर खुद को पृथक कर लिया था। बुधवार को उन्होंने बताया कि उनकी जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई और वह स्वस्थ हैं।

उच्च न्यायालय ने जिलों में फंसे प्रवासियों के आंकड़े तैयार करने को कहा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने जिलों में फंसे सभी प्रवासी कामगारों के संबंध में आंकड़े तैयार करें कि क्या उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी की जा रही हैं? इसके साथ ही अदालत ने यह भी सवाल किया कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के मद्देनजर क्या ऐसे कामगारों को मनोवैज्ञानिक परामर्श (काउंसेलिंग) मुहैया कराया जा रहा है। न्यायमूर्ति आर वी घुगे की पीठ ने बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों में प्रवासी श्रमिकों और दिहाड़ी मजदूरों की स्थिति और डॉक्टरों, नर्सों तथा अन्य चिकित्सा कर्मचारियों के सामने आ रही कठिनाइयों पर एक याचिका पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। पीठ ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने जिलों के सभी प्रवासी कामगारों के आंकड़े तैयार करें और यह गौर करें कि क्या ऐसे लोगों की देखभाल के लिए आश्रय गृह हैं जो अपने घर लौटने में असमर्थ हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

7 राज्यों में राहत के कदम

21 अप्रैल से प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से मोडिफाइड लॉकडाउन लागू होगा। राज्य के ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों में 20 अप्रैल के बाद से उत्पादन शुरू किया जाएगा। सीएम निवास पर लॉकडाउन को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक में सीएम अशोक गहलोत ने ये निर्देश दिए। शहरी क्षेत्रों के उन उद्योगों को भी शुरू किया जाएगा, जहां श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ही रहने की सुविधा है। इनमें बाहर से मजदूरों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। गहलोत ने निर्देश दिए कि कलेक्टर, रीको, जिला उद्योग केन्द्र व पुलिस समन्वय स्थापित कर तय करें कि लॉकडाउन के दौरान उद्योगों के शुरू होने में कोई परेशानी न आए। उत्तर प्रदेश में 20 अप्रैल से व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही ऑनलाइन कोरोबार भी शुरू होंगे। बड़े निर्माण कार्य भी चालू होंगे। वहीं, बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए ऑनलाइन पढ़ाई व्यवस्था का एक स्थाई मॉडल बनेगा। जिस पर काम शुरू भी हो गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने अब तक 31,939 ई-कंटेंट तैयार करते हुए 2.29 लाख छात्रों को कनेक्ट किया है। औसतन 80 हजार छात्र हर दिन उच्च शिक्षा के कोर्सेज में ऑनलाइन हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ स्वास्थ्य विभाग ने कोरोनावायरस से होने वाली मौतों की ऑडिट कराने के लिए सेल बनाने का निर्णय लिया है। कोरोना संकट के बीच हरियाणा सरकार ने केंद्र द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार 20 अप्रैल से कुछ छूट देने का फैसला किया है। गुरुवार को हरियाणा की मुख्य सचिव केशनी आनन्द अरोड़ा ने कहा कि 20 अप्रैल से लॉकडाउन में कुछ छूट प्रभावी दी जाएगी। रिम्स के कोरोना सेंटर में लोगों की स्क्रीनिंग के लिए सोमवार से ई-ओपीडी शुरू होगा। इस व्यवस्था के तहत लोग घर बैठे वॉट्सऐप, ईमेल और वीडियो-ऑडियो कॉल के जरिए अपनी स्क्रीनिंग करा पाएंगे। मरीजों को ट्रैवल हिस्ट्री भी बतानी होगी। बिहार के 27 जिले ऐसे हैं जहां मंगलवार तक कोरोना का कोई संक्रमित नहीं मिला है।

महाराष्ट्रः कोरोना के 286 और मामले

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में अबतक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले 3202 हो गए हैं जबकि इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 194 हो गई है। उन्होंने बताया कि पांच अन्य मरीजों को इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जिससे इस घातक वायरस से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 300 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि राज्य में अबतक 56 हजार 673 नमूनों की जांच की जा चुकी है। उधर महाराष्ट्र में अब तक करीब 23 पुलिसकर्मी भी कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इनमें से 15 पुलिसकर्मी मुंबई में पोस्टेड हैं। अधिकारी ने कहा कि 22 मार्च से अब तक करीब सात पुलिस अधिकारी और 16 कॉन्स्टेबल संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी का राज्य के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। गुरुवार को मुंबई के जुहू पुलिस के एक कॉन्स्टेबल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद खार पुलिस थाने में तैनात एक अन्य कॉन्स्टेबल में इस घातक वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि खार पुलिस थाने के 28 साल के कॉन्स्टेबल को कोरोना वायरस का लक्षण महसूस हुआ और जिसके बाद उसने जांच कराई। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को आई उसकी जांच रिपोर्ट में वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि खार के एक अस्पताल में ही कॉन्स्टेबल की जांच की जा रही है और उसके संपर्क में आए 12 से 15 लोगों को जांच कराने के लिए कहा गया है।

सरकार का विमानन कंपनियों को निर्देश

इस निर्देश से विमान सेवा कंपनी को पैसा लॉकडाउन के पहले चरण में मिलने की शर्त से एजेंट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है, क्योंकि आम तौर पर एजेंट कुछ समय बाद एयरलाइंस को पैसा हस्तांतरित करते हैं। क्रेडिट कार्ड कंपनियां भी कुछ दिन बाद ही पैसे का भुगतान मर्चेंट को करती हैं। इससे पहले लॉकडाउन के दौरान निजी विमान सेवा कंपनियों द्वारा टिकट की बुकिंग और रिफंड को लेकर आ रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बुधवार को सभी निजी विमान सेवा कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बात की थी। मंत्रालय ने उनके साथ बातचीत के बाद यह परामर्श जारी किया है।

लॉकडाउन के बाद बदलेगा शॉपिंग का तरीका!

इस तरह के कारोबार में होगा इजाफा

कोरोना वायरस दुनियाभर के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इस वायरस की वजह से भारत में लगातार 40 दिनों का लॉकडाउन लागू है। लॉकडाउन की अवधि 3 मई को खत्म होने वाली है। इसके बाद जनजीवन पटरी पर आने की उम्मीद की जा रही है। लेकिन 3 मई के बाद भी भीड़ को लेकर नियमों में सख्ती रह सकती है, क्योंकि हालात इतनी जल्दी सामान्य होने की उम्मीद कम है। जानकारों की मानें तो लॉकडाउन खत्म होने के बाद जागरूक लोग भीड़ में जाना पसंद नहीं करेंगे। ऐसे में शॉपिंग का तरीका भी बदल सकता है। इन्वेस्ट ऑनलाइन डॉट इन के संस्थापक अभिनव अंगिरिश कहते हैं, जिन लोगों को कोरोना वायरस के खतरे के बारे में जागरूकता है वो अगले कुछ महीनों तक भीड़ में नहीं जाना चाहेंगे। लोग रेस्टोरेंट की बजाए किसी ऑनलाइन फूड डिलिवरी से खाना मंगाना पसंद करेंगे। शॉपिंग के लिए मॉल या दुकान में जाने की बजाए ऑनलाइन शॉपिंग की ओर रुख कर सकते हैं। ग्रॉसरी के लिए राशन के दुकान जाने की बजाए ऑनलाइन मंगाना चाहेंगे। ऐसे में यह लगभग तय है कि ई-कॉमर्स/ऑनलाइन कंपनियों की चांदी होगी। इस हालात में ई-कॉमर्स कंपनियों के पास डिमांड बढ़ेगी लेकिन होम डिलिवरी के लिए कंपनियों के पास कर्मचारियों की संख्या कम पड़ सकती है। इस संकट को समझते हुए अधिकतर ई-कॉमर्स कंपनियों ने कर्मचारियों की भर्ती शुरू कर दी है। हाल ही में ऑनलाइन ग्रॉसरी प्रोडक्ट की डिलिवरी करने वाली कंपनी बिगबास्केट और ग्रॉफर्स ने कुल 12 हजार कर्मचारियों की भर्ती का फैसला लिया है।

कंपनियों पर बढ़ी जिम्मेदारी

अभी के जो हालात हैं उसमें ये लग रहा है कि कोरोना वायरस का प्रकोप इतनी जल्दी खत्म नहीं होने वाला है। इस परिस्थिति में ई-कॉमर्स कंपनियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इन कंपनियों को डिलिवरी बॉय के स्वास्थ्य की चिंता करनी होगी। आपको बता दें कि दिल्ली में एक पिज्जा डिलिवरी करने वाला शख्स कोरोना पॉजीटिव निकला है। इस वजह से 72 परिवारों को होम क्वारनटीन कर दिया गया है। साथ ही संपर्क में आए 17 डिलिवरी बॉय को भी क्वारनटीन किया गया है। कहने का मतलब ये है कि अगर कंपनियां अपने कर्मचारी या डिलिवरी बॉय के स्वास्थ्य को लेकर सचेत नहीं रहीं तो कोरोना संक्रमण का फैलाव आसान हो सकता है।

दिल्ली सरकार का ऑपरेशन शील्ड 2 इलाकों में सफल, 15 दिनों में एक भी केस नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना वायरस के हॉटस्पॉट वाले 2 अन्य इलाकों में अपिरशन सीलबंदी की सफलता का ऐलान किया है। वसुंधरा एन्क्लेव और खिचड़ीपुर में ऑपरेशन शील्ड कामयाब रहा। दोनों जगहों को 31 मार्च को सील कर दिया गया था। बीते 15 दिनों में कोविड-19 महामारी के कोई भी नए मामले इन दोनों जगहों से सामने नहीं आए हैं। वसुंधरा एन्क्लेव के मनसारा अपार्टमेंट में 1 कोरोना वायरस पॉजिटिव शख्स पाया गया था इसलिए पूरे इलाके को सील कर दिया गया था। कोरोना वायरस टेस्ट की रिपोर्ट के पहले संक्रमित शख्स ने सभी सार्वजनिक सुविधाओं का इस्तेमाल किया था, जिसके बाद इलाके को सील कर दिया गया था। दिल्ली सरकार ने 188 घरों में डोर-टू-डोर चेकिंग की। खिचड़ीपुर की 3 गलियों में 2 कोरोना वायरस के मरीज पाए गए थे। 31 मार्च को इन दोनों इलाकों को भी सील कर दिया गया था। खिचड़ीपुर के इस इलाके में बेहद सघन आबादी है। संक्रमण का खतरा यहां सबसे ज्यादा था। हेल्थ डिपार्टमेंट ने 398 घरों में डोर-टू-डोर चेकिंग की।

कोरोना पर सरकार

भारत में 24 टेस्ट करने पर एक पॉजिटिव मिल रहा

इस मामले में हम कई देशों से बेहतर, 325 जिलों में संक्रमण का कोई केस नहीं

संवाददाता

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच गुरुवार को केंद्रीय मंत्रालयों की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने कम टेस्टिंग के आरोपों को खारिज किया। काउंसिल के प्रतिनिधि ने कहा कि देश में जरूरत के हिसाब से टेस्टिंग हो रही है। आगे भी क्षमता बढ़ाने पर काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां कोरोना फैलने की रफ्तार बाकी देशों से कम है। जापान में 11.7, इटली में 6.7, अमेरिका में 5.3 और ब्रिटेन में 3.4 लोगों का टेस्ट होने पर एक पॉजिटिव केस मिलता है। लेकिन इस मामले भारत में स्थिति बेहतर है, क्योंकि यहां हर 24 टेस्ट के बाद एक संक्रमित मिल रहा है। आईसीएमआर के प्रतिनिधि ने बताया कि देश को 5 लाख रैपिड एंटीबॉडी टेस्टिंग किट गुरुवार को चीन की दो फर्म से मिल गईं। अब इसके जरिए देश के उन इलाकों में जांच होगी, जहां कोरोना के ज्यादा मामले सामने आए हैं। आईसीएमआर के विशेषज्ञ ने कहा, इस किट से कोरोना की जांच नहीं होगी, बल्कि इससे पता चलेगा कि कहीं आप कभी कोरोना से संक्रमित तो नहीं थे। जब आप किसी वायरस या पैथोजन से संक्रमित होते हैं, तो शरीर इसकी

प्रतिक्रिया में एंटीबॉडी बनाता है। इस टेस्ट में इन्हीं एंटीबॉडी का पता चलेगा। इस टेस्ट में उंगली से एक-दो बूंद ब्लड सैंपल लेकर उसमें आईजीजी एंटीबॉडी की मात्रा का पता लगाएंगे। अगर कोई व्यक्ति पहले कोरोना संक्रमित रहा हो और अपने आप ठीक हो गया होगा तो इस टेस्ट से उसकी पहचान संभव हो पाएगी। इससे हम जान पाएंगे कि कितने लोग तक संक्रमण पहुंचा।

325 ऐसे जिले जहां कोरोना का कोई केस नहीं

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश में कोरोनावायरस से निपटने के लिए कंफेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने बैठक की। इसमें तय हुआ कि कोरोना से लड़ने के लिए मेक इन इंडिया का सहारा लिया जाएगा। इसी के तहत देश में स्वास्थ्य उपकरण बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि देश में 325 ऐसे जिले हैं जहां कोई केस नहीं मिला है। हमारा संक्रमितों के इलाज पर पूरा फोकस है। देश में 12.5% के हिसाब से कोरोना के मरीज ठीक हो रहे हैं। देश में 27 ऐसे जिले हैं जहां पहले संक्रमित पाए गए थे और अब पिछले 14 दिनों से यहां कोई नया मामला सामने नहीं आया। अभी तक देश में 2 लाख 90 हजार से ज्यादा लोगों की जांच हुई है। इसकी क्षमता बढ़ाने पर काम हो रहा है।

सार्वजनिक जगहों पर थूकना अपराधः सरकार – गृह मंत्रालय ने कहा कि संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में गुटखा-पान, तंबाकू, शराब की बिक्री पर पाबंदी रहेगी। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी मंत्रालय की संयुक्त सचिव पीएस श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी राज्यों को केंद्र की ओर से निर्देश दे दिया है। लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण इलाकों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने पर ही औद्योगिक इकाइयों को काम करने की अनुमति दी जाएगी। लॉकडाउन के दौरान जो इकाइयां बंद रहेंगे उनमें रेल, सड़क यातायात और हवाई यात्रा शामिल हैं। इसके अलावा देश में होटल, रेस्टोरेंट, फैक्ट्रियां और स्कूल-कॉलेज भी बंद रहेंगे। हालांकि, लॉकडाउन में फंसे लोगों के लिए होटल और लॉज खुले रहेंगे। वहीं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल और सिनेमा हॉल लॉकडाउन के दौरान बंद रहेंगे। तीन मई तक किसी भी तरह के धार्मिक आयोजन और राजनीतिक सभाओं पर रोक लगी रहेगी। देश के सभी पूजा स्थल भी इस दौरान तरह से बंद रहेंगे।

अबू आसिम आजमी ने गृह मंत्री अनिल देशमुख से की मुलाकात

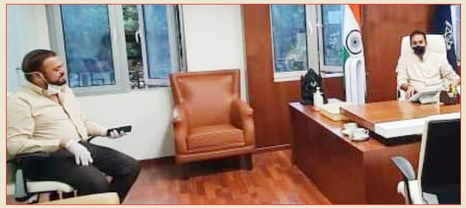

दिनांक 16 अप्रैल मा. श्री आ. अबू आसिम आजमी गृह मंत्री श्री अनिल देशमुख जी से मुलाकात कर नागपाड़ा पुलिस स्टेशन की सीनियर पुलिस अफसर शालिनी शर्मा की शिकायत की, जिनके द्वारा ५० लोगों की लिस्ट जारी की गयी है - जिसमे मुंबई बाग सीएए के खिलाफ प्रोटेस्ट में एक्टिव लोग थे। जो मुंबई बाग २२ मार्च को बंद हो गया था तब से लेकर आज तक उस लिस्ट में से किसी को किसी प्रकार के कोविड-19 के लक्षण नहीं पाए है। शालिनी शर्मा जी फिर भी जबरन उन्हें क्वारंटाइन करवाना चाहती है जब के क्वारंटाइन १४ दिन का होता है और २२ मार्च से अब तक २५ दिन बीत चुके है। मुंबई महानगरपालिका और डॉक्टरों के मुताबिक उन्ही का टेस्ट करवाना जरूरी है जिनमे कोविड-१९ के लक्षण हो। 50 लोगों के घरवाले और उनके घर आने जाने वाले लोग, आप कितने लोगो को क्वारंटाइन करोगे? जब के किसी में कोई कोविड-19 के लक्षण भी नहीं। शालिनी शर्मा जी का बर्ताव मुंबई बाग के आंदोलन के खिलाफ ठीक नहीं था जिसकी वजह से वहां के स्थानिक लोगों ने उनकी शिकायत भी की थी। ये सिर्फ और सिर्फ निजी बदले की भावना में आकर किया जा रहा है जो के बहुत ही फालतू हरकत है और इसपर फौरन रोक लगायी जाए।

➤ **सीनियर इंस्पेक्टर कोलाबा पुलिस के आवेदन पर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष समाज वादी पार्टी विधायक अबु आसिम आजमी ने अपना गल्फ होटल, कोलाबा-मुंबई - दक्षिण मुंबई रीजन के कार्यरत सभी पुलिस कर्मियों को क्वारंटाइन करने के लिए दे दिया है। पुलिस अपना घर अपने घरवालों को छोड़ कर अपना फर्ज निभा रही है और हम अपने घर रहकर अपना फर्ज निभाएं।**

बिना खंभों के खड़ा है दुनिया का यह सबसे बड़ा गोल्डन मंदिर

भारत में घूमने के एक से बढ़कर एक खूबसूरत मंदिर हैं। कुछ मंदिर सोने तो कुछ संगमरमर के बने होने के कारण मशहूर हैं। आज हम आपको भारत के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। यह प्राचीन ग्लोबल विपस्सना मंदिर भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। सोने के बना होने के कारण यह पर्यटकों के आकर्षण का बनता जा रहा है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ और बातें।

इस प्राचीन मंदिर को गोराई क्रीक और अरब सागर के बीच एक प्रायद्वीप पर बनाया गया है। ग्लोबल विपस्सना पगोडा को महाराष्ट्र के आकर्षण का केंन्द्र माना जाता है। इस मंदिर को बनाने के लिए बड़े पत्थरों और सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके बड़े-बड़े स्तंभों को देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। अपनी अनोखी बनावट के कारण इस मंदिर को विश्व रिकॉर्ड में जगह दी गई है। इस मंदिर में बनी गैलरी में आप बुद्ध के समय की और कई पेंटिंग देख सकते हैं। इस मंदिर की नक्काशी देखकर आपको चीन की कलाकारी की याद आ जाएगी। इस मंदिर में बने हॉल में करीब 8000 लोग एक साथ आराम से बैठ सकते हैं।

इस मंदिर में बने हॉल की खासियत यह भी है कि इसे बिना पिलर के बनाया गया है, जोकि 61300 वर्गफुट तक फैला है। इसकी गुंबद छत 86 फुट ऊंची है और यहीं पर बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं। इसके अलावा आप यहां बुद्ध की लंबी प्रतिमा को देख सकते हैं, जिसे खासकर संगमरमर पत्थर से बनाया गया है।

इस मंदिर का बेल टावर और टॉवर बर्मी में वास्तुकला का अद्भुत नमूना देख सकते हैं। इस मंदिर के शिखर को बड़ी क्रिस्टल के साथ सजाया गया है। इस मंदिर के शिखर पर ही असली सोने का काम किया गया है। बाकी जगहों पर सिर्फ सोने का पानी चढ़ाया गया है। इस मंदिर के म्यांमार गेट पर भी आप नक्काशी देख सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेषः चोट, चोरी, दुर्घटना व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृषः जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य निबटेंगे। धनार्जन होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मिथुनः जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य निबटेंगे। धनार्जन होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कर्कः पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धनार्जन होगा। विवाद में न पड़ें।

सिंहःचिंता तथा तनाव रहेंगे। नकारात्मकता बढ़ेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कन्याः कम प्रयास से ही काम बनेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। भागदौड़ रहेगी। आराम नहीं मिलेगा।

तुलाः शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बना रहेगा। धनार्जन होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम न लें।

वृश्चिकः बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें।

धनुः भय, पीड़ा व तनाव का माहौल बनेगा। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्य न बनने से चिंता रहेगी।

मकरः बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। क्रोध नहीं करें।

कुंभः नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीनः पूजा-पाठ में मन लगेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी।

फ्रांस घूमने का है सपना तो भारत के इस शहर में करें ट्रैवलिंग

फ्रांस घूमने का शौक तो हर कोई रखता है लेकिन खर्चे का सोचकर वहां नहीं जा पाते। अगर आप भी पार्टनर या फैमिली के साथ फ्रांस के हसीन वादियों का मजा लेना चाहते हैं तो आप भारत के एक शहर में अपने इस ड्रीम को पूरा कर सकते हैं। आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि भारत का फ्रांस माना जाता है। गर्मियों में ठंडक और खूबसूरत वादियों का मजा लेने के लिए आप यहां जा सकते हैं।

फ्रांस ही तरह ही हमारे देश में भी एक जगह मौजूद है, जिसका नाम पुडुचेरी है। इस जगह की खासियत यह है कि फ्रांस से यहां पर आने वाले लोगों को लगता ही नहीं की वो भारत में है। क्योंकि यह जगह हुबहू फ्रांस की ही कॉपी है। इस शहर का इतिहास भी 1673 इसवीं में फ्रेंच लोगों के आने से शुरू हुआ था। शायद इसलिए इस शहर में फ्रांस की झलक दिखाई देती है।

समुद्र के किनारे बसे इस प्रदेश में घूमने लायक कई खूबसूरत जगह मौजूद है। यहां जाने के लिए आपको वीजा और पासपोर्ट की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। आप इसके बिना ही यहां एंजॉय कर सकते हैं। पुडुचेरी को एक बेहतरीन टाउन प्लानिंग के हिसाब से ही बसाया गया है। यहां पर फ्रांसीसियों के लिए अलग से एक टाउनशिप बनाई गई है, व्हाइट टाउन कहा जाता है।

पुडुचेरी में लगी कई महापुरूषों की प्रतिमाएं इसकी खास पहचान है। सिर्फ सड़क ही नहीं बल्कि यहां के एक बीच पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगी हुई है, जिसके कारण उस बीच को महात्मा गांधी के नाम से ही जाना जाता है।

सेक्रेड हार्ट कैथोलिक चर्च पुडुचेरी की सबसे मशहूर जगह हैं। इस चर्च में अंग्रेजी और तमिल में प्रार्थना की जाती है। इसके अलावा इस चर्च में आप 2000 हजार लोगों को एक साथ प्रार्थना करते हुए देख सकते हैं। चर्च और बीच के अलावा पुडुचेरी के एक प्राचीन मंदिर भी दुनियाभर में मशहूर है, जिसे श्री गणेश का मनाकुला विलय कुलॉन मंदिर के नाम से जाना जाता हैं।

अब्दुल कलाम से प्रेरणा लेकर NASA पहुंची सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली अश्ना

अपने लक्ष्य को पाने के लिए मजबूत इरादों का होना बहुत जरूरी है, तभी आकाश में उड़ान भरने की ख्वाहिश हासिल हो सकती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है केरल की रहने वाली एक किसान की बेटी अश्ना सुधाकर ने, जो हाल ही में नासा में तीन महीने की इंटर्नशिप करके अपने घर लौटी है।

केरल के कोझिकोड गांव की रहने वाली और किसान की बेटी अश्ना ने अपनी पढ़ाई गांव के सरकारी स्कूल से शुरू की। वह देश के पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम को अपनी प्रेरणा मानती है और उनका कहना है 'जब वह दसवी कलास में थी तब अब्दुल कलाम का भाषण सुना था। उसी से प्रेरणा वह आगे बढ़ी।' एमएससी फिजिक्स की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया लेकिन उनके इस अवेदन को अस्वीकार कर दिया गया। इस बात से निराश न होकर उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कोशिश को जारी रखा।

डेक्कन क्रॉनिकल से बात करते हुए आश्ना ने बताया 'मैने यह कभी नहीं सोचा था कि मुझे नासा में इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता था कि मैं इसरो या फिर विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में काम करूंगी।' अश्ना का यह भी कहना है मुझे आठवी तक यह नहीं पता था कि आंतरिक्ष जैसी जैसी भी कोई चीज होती है। इसके साथ ही उनका कहना है कि वह पढ़ाकू विद्यार्थी नहीं रहीं और उन्हें कहानियां,कविताएं और उपन्यास पढ़ने का खूब शौक है। इसके साथ ही आश्ना ने यह भी बताया मेरा गणित काफी काफी कमजोर था।

एक छोटे से कस्बे की लड़की आश्ना दुनिया की सबसे अंतरिक्ष एजेंसी नासा में मिली इंटर्नशिप से बहुत खुश है। इस इंटर्नशिप से उन्हें स्कॉलरशिप के तौर पर 7 लाख रुपय यातायात खर्च के साथ बाकी के खर्च के भी पैसे मिले। नासा में आश्ना का काम सोलर रेडियो बर्स्ट पर था। जिस पर सुबह 9 से शाम 7 बजे तक रिसर्च करना होता था। आश्ना का कहना है 'नासा सेंटर 24 घंटे खुला रहता था। मैं हर डिपार्टमेंट और वर्कशॉप में जाकर घूमती थी। यह सफर यादगार था।'

आनंद महिंद्रा ने ढूंढ निकाला 'जूतों के डॉक्टर' को, ऐसे करेंगे मदद

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट काफी वायरल हुई थी वो थी 'जूतो के डॉक्टर' की।आनंद महिंद्रा ने जो फोटो शेयर की थी उसमें एक मोची ने सड़क पर लगी अपनी दुकान पर एक बैनर लगाया हुआ था, 'जख्मी जूतों का हस्पताल' और बैनर पर लंच टाइम से लेकर सारी जानकारी अस्पताल के तरह से लिखी हुईं थीं। उन्होंने जूतों के डॉक्टर के साथ बिजनेस करने की इच्छा जताई थी और इन्वेस्ट करने का सोचा। इसके लिए उन्होंने लोगों से ढूंढ निकालने की गुजारिश की थी।आखिरकार अब उन्हें जूतों का डॉक्टर मिल चुका है।उनकी टीम ने मोची का पता लगा लिया है। जूतों के डॉक्टर का नाम है नरसीराम जो हरियाणा में अपनी दुकान लगाता है। टिप्पणियांसूरत में बच्ची से रेप से आहत आनंद महिंद्रा बोले, रेपिस्टों को फांसी देने के लिए मैं जल्लाद बनने को तैयार आनंद महिंद्रा ने ट्वीट करते हुए कहा- "हरियाणा में हमारी टीम उनसे मिली और पूछा कि हम कैसे उनकी मदद कर सकते हैं।साधारण और नम्र नरसीजी ने पैसे नहीं मांगे उन्होंने काम करने के लिए बेहतर जगह की जरूरत के बारे में बताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ओरल हेल्थ से जुड़ा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

दांतों या मुंह की सफाई और हाइजीन को लेकर काफी कुछ कहा जाता रहा है। खासकर आजकल, जब हमारे खानपान के तौर-तरीकों और खाद्य पदार्थों के स्वरूप में बहुत परिवर्तन आ गया है। ऐसे में ओरल हेल्थ को लेकर सजग रहना आवश्यक है। खासकर इसलिए भी क्योंकि ओरल हेल्थ से पूरे शरीर का स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है।

खतरनाक शुगर

मीठा खाना अगर दांतों में सड़न या कैविटीज का कारण बन सकता है तो मीठे के रोग यानी डायबिटीज की वजह से भी दांतों में तकलीफ पैदा हो सकती है। यह तकलीफ आगे जाकर अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। मसूड़ों में होने वाली समस्या या बीमारियां अक्सर डायबिटीज के फैलाव की गति को और बढ़ा देती हैं।

बैक्टीरिया और हृदय

शोध बताते हैं कि ऐसे लोग जिनके मसूढ़ों या दांतों में समस्या बनी रहती है उन लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में हृदय रोग होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यह खतरा हृदयघात में भी बदल सकता है।

स्ट्रेस का असर

केवल शारीरिक तौर पर ही नहीं बल्कि मानसिक स्तर पर भी मुंह या दांतों की समस्या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। तनाव या स्ट्रेस के कारण दांतों का जोर से किटकिटाना ऐसी ही एक तकलीफ है जो दांतों को गंभीर क्षति भी पहुंचा सकती है। इसी तरह डिप्रेशन से पीड़ित लोगों में भी दांतों या मुंह की तकलीफों से घिरने की आशंका हो सकती है।

एनीमिया का खतरा

कमजोरी यानी एनीमिया से पीड़ित लोगों को अक्सर मुंह में दर्द और कमजोरी की शिकायत होती है। इन लोगों की जुबान सूज जाती है और बहुत मुलायम हो जाती है। इस स्थिति को ग्लॉसिटिस कहते हैं।

किडनी संबंधी परेशानी

किडनी से जुड़े गंभीर संक्रमण या बीमारियां भी दांतों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार वयस्कों में दांत टूटने तक का खतरा हो सकता है।

महिलाएं और तकलीफ

मुंह या दांतों से जुड़ी समस्याओं से बड़े पैमाने पर गर्भवती महिलाएं भी जूझती हैं। ऐसी महिलाएं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मसूड़ों या दांतों संबंधी संक्रमण होता है उनके बच्चों के छोटे रहने या प्रीमैच्योर होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यही नहीं दांतों की गंभीर समस्या से ग्रसित महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

नन्हें पैरों की पीड़ा

सही समय पर दीजिए ध्यान

बच्चों के मामले में तकलीफ का सामान्य स्तर पर होना भी ज्यादा परेशानी पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में पीड़ा से भी अधिक समस्या बच्चे को प्राकृतिक तौर पनपने में पैदा होने वाली परेशानी को लेकर होती है। बच्चों में पैरों संबंधी तकलीफों के संदर्भ में भी यही बात सामने आती है इसलिए सजगता आवश्यक है।

जब चलना भी मुश्किल होने लगे

छोटे बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण चरण होता है उनका चलना। चलने की शुरूआत का यह समय हर बच्चे में अलग हो सकता है। कोई बच्चा 11 माह में ही चलना शुरू कर सकता है तो किसी को एक साल से भी ऊपर का समय इस प्रक्रिया में लग सकता है। यह एक सामान्य बात है लेकिन इस समय के बाद भी चलने में मुश्किल खड़ी हो तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है। ठीक इसी तरह यदि बच्चा चलने या खड़े होने में टखनों और तलवों में दर्द या असहजता की शिकायत करता है तो इसे भी गंभीरता से लेने की जरूरत है। खासतौर पर अगर दर्द या तकलीफ 4-5 दिनों में साधारण उपायों से ठीक नहीं होती तो।

प्रमुख समस्याएं

बच्चों में पैरों या तलवों के दर्द और असहजता से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं और इनमें से कुछ गंभीर भी हो सकती हैं। लेकिन त्वरित और सही इलाज के साथ कई बीमारियों को ठीक भी किया जा सकता है।

बच्चों को परेशान करने वाली कुछ बीमारियां हैं-पीडियाट्रिक फ्लैट फुट: इस समस्या से ग्रसित ज्यादातर बच्चों में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते। फिर भी कुछ बच्चे दौड़ने-भागने, चलने या फिजिकल एक्टिविटी के दौरान असहजता अथवा पैरों, घुटनों में दर्द महसूस कर सकते हैं। ऐसे में त्वरित इलाज और मार्गदर्शन से काफी राहत मिल सकती है।

इनग्रोन टोनेल्स: पैर के नाखून एक तरह का सुरक्षा कवच भी होते हैं और ये महत्वपूर्ण भी होते हैं। ऐसे में पैरों के नाखूनों का अंदर की ओर मुड़ा हुआ होना तकलीफदेह हो सकता है। यह परेशानी कई बार अनुवांशिक भी हो सकती है या फिर नाखूनों को गलत तरीके से काटने, बहुत टाइट जूते-मोजे पहनाने से भी यह दिक्कत पनप सकती है। ऐसी स्थिति में ध्यान न देने पर गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए इस तरह के नाखूनों के लिए चिकित्सक की मदद लें।

नजरअंदाज न करें तकलीफ

इन सबके अलावा अन्य कुछ संक्रमणों, अंदरूनी कमजोरी या अनुवांशिक कारणों से बच्चे में पैरों से जुड़ी समस्या जन्म ले सकती है। यदि बच्चा लगातार पैरों में दर्द, जलन या असहजता की शिकायत करता है और उसकी शिकायत सामान्य उपायों से दूर नहीं होती तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैल्सिनाल एपोफाइसाइटिस : 8-15 साल तक के बच्चों को परेशान करने वाली यह समस्या एड़ियों में सूजन और दर्द पैदा कर डालती है। चूंकि इस उम्र तक एड़ी की हड्डी पूरी तरह विकसित नहीं हुई होती। ऐसे में हील पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव परेशानी खड़ी कर सकता है।

प्लांटर वार्ट : पैरों में किसी भी जगह वार्ट या दाने उभर सकते हैं लेकिन पैरों के निचले हिस्से में इनका उभरना विशेषतौर पर कष्टदाई हो सकता है। ये प्लांटर वार्ट्स कहलाते हैं। ये एक तरह का वायरल इन्फेक्शन होता है जो शरीर में और भी जगहों पर पनप सकता है। ध्यान न देने पर यह त्वचा में काफी अंदर तक वृद्धि कर सकता है, जिसकी वजह से बच्चे को खड़े रहने, चलने-फिरने में तकलीफ हो सकती है।

लेजर से बालों को हटवाने के बारे में जानें कुछ जरूरी बातें

वर्तमान में कॉस्मेटिक उपचार के क्षेत्र में लेजर द्वारा अनचाहे बालों को हटाना सबसे अधिक सामान्य ट्रीटमेंट माना जाता है और यह अत्यधिक चलन में भी है। लेकिन इससे जुड़े कई सारे मिथक और संदेह इस प्रकार के ट्रीटमेंट को लेने से लोगों को हतोत्साहित करते हैं।

लेजर से बालों को हटाने को लेकर सबसे बड़ी अफवाह यह है कि इस उपचार के दौरान दर्द होता है। आइए जानते हैं इसी प्रकार के मिथक और उससे जुड़ी जानकारियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा :

इन बातों का रखें ध्यान

- यह सुनिश्चित करें कि लेजर से बालों को हटाने के पहले त्वचा का विश्लेषण किया गया हो।
- चिकित्सक से अपने पहले अपॉइंटमेंट पर अपनी त्वचा पर पैच परीक्षण के बारे में पूछें।
- उपचार कराने से पहले, किसी इंडोक्राइनोलॉजिस्ट के द्वारा अपनी एंडोक्राइनल समस्याओं का मूल्यांकन कराएं।
- अपने चिकित्सक की योग्यता और अनुभव के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।
- त्वचा के रंग और प्रकार के लिए उपयुक्त लेजर के बारे में जानकारी लें।
- पिछली बार इस्तेमाल की गई दवाइयों या इलाज के बारे में किसी भी बदलाव को लेकर अपने चिकित्सक को बताएं।
- आपके अपॉइंटमेंट से एक दिन पहले,

इलाज किए जाने वाले हिस्से को शेव अवश्य करें।

- यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो प्रक्रिया से पहले और बाद में उस हिस्से पर लगातार बर्फ रगड़ें इससे वह हिस्सा सुन्न हो जाएगा।
- आपके शरीर के चाहे किसी भी हिस्से में यह उपचार हो रहा हो, आपको हमेशा आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनना चाहिए।

ये करें ट्रीटमेंट करवाने से पहले

- प्रक्रिया के पहले या बाद में धूप में जाने या कृत्रिम टैन पाने से बचें
- ट्रीटमेंट के लिए ऐसे क्लिनिक में न जाएं जहां कीमत से

समझौता किया जाता हो

- उपचार से पहले छह महीने तक प्लकिंग, वैक्सिंग और इलेक्ट्रोलिसिस से बचें ताकि लेजर बालों की जड़ को लक्षित कर सकें
- अपने पहले उपचार से कम से कम एक हफ्ते पहले और लेजर कोर्स की अवधि के दौरान अपनी त्वचा ब्लीच न करें
- यदि आपके चेहरे के लिए उपचार किया जा रहा है, तो मुंहासे आदि के लिए बताई गई दवा न तो खाएं और न ही लगाएं
- प्यूबर्टी और गर्भावस्था की शुरूआत में बालों को हटाने के उपचार कराने से बचें। सबसे अच्छा है कि आप गर्भावस्था तक इंतजार करें, जब तक आपका हॉर्मोन स्तर सामान्य नहीं हो जाता है
- तंग फिटिंग वाले कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे खुजली या जलन पैदा कर सकते हैं
- उपचार के बाद कम से कम 48 घंटे तक तैराकी, सॉना, जकुजी, स्टीम रूम, हॉट शावर या स्नान से बचें
- अपने पहले सत्र के बाद मुलायम, चिकनी त्वचा की उम्मीद न करें। किसी एक हिस्से में छह से आठ उपचार सत्रों के बाद बेहतर परिणाम मिलते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेलिना जेटली ने सुनाई डिप्रेशन की कहानी

बॉलिवुड की कई ऐक्ट्रेसस की तरह सेलिना जेटली भी डिप्रेशन का शिकार हो चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बताया। सेलिना ने बताया कि उनके पैरंट्स और बेटे की डेथ हो जाने के बाद वह डिप्रेशन में आ गई थीं। उनके पति पीटर ने उनको बहुत संभाला। खबर के मुताबिक, सेलिना के बेटे और उनके पैरंट्स की डेथ आसपास हुई। जिसकी वजह से वह डिप्रेशन में आ गईं। उनको सपोर्ट करने के लिए उनके पति पीटर हाग ने जॉब छोड़ दी और दुबई छोड़कर ऑस्ट्रिया आने का फैसला लिया। सेलिना ने 2011 में पीटर हाग से शादी की थी। 2012 में दोनों ट्विन बेटों के पैरंट्स बने। दूसरी बार 2017 में सेलिना ने फिर से ट्विन बेटों क को जन्म दिया। दूसरी बार जन्मे ट्विन्स में से एक बेटे की हार्ट प्रॉब्लम की वजह से मौत हो गई। सेलिना जेटली के पिता कर्नल विक्रम कुमार 2018 में दुनिया छोड़ गए। वहीं 2018 में उनकी मां का भी कैंसर से निधन हो गया। इसके बाद वह डिप्रेशन में आ गईं। सेलिना बताती हैं कि उनकी मां की आखिरी इच्छा थी कि वे सिनेमा की तरफ लौटें। सेलिना एक शॉर्ट फिल्म में आ रही हैं। इसमें काम करके भी उनको डिप्रेशन से उबरने में हेल्प मिली।

बचपन से ही फोटोजनिक और स्टाइलिश हैं सारा अली खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अक्सर अपनी थ्रोबेक फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। वैसे सारा जब भी अपनी थ्रोबेक फोटो शेयर करती हैं वो वायरल हो जाती है। कुछ दिन पहले एक्ट्रेस ने एक फोटो शेयर की थी जिसमें वो हथफूल और टीक पहने नजर आ रही थीं ये भी उनकी पुरानी फोटो ही थी। अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टा पर एक कोलाज शेयर कि है जिसकी एक तरफ उनके बचपन की फोटो है और दूसरी तरफ हाल ही की फोटो है। बचपन की फोटो में सारा कफी काफी क्यूट लग रही हैं। वहीं हाल ही की फोटो में वो स्टाइलिश नजर आ रही हैं। वैसे इस फोटो से एक और बात साबित हो रही है कि सारा बचपन से ही फोटोजनिक रही हैं। यानी बचपन से उन्हें पोज देना और फोटो क्लिक करवाना आता है। सारा ने अब जो फोटो शेयर की है उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि एक्ट्रेस डांस कर रही हैं। फोटो शेयर करते हुए सारा ने एक फनी कैप्शन भी लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'हां हम बचपन से ही ऐसे हैं'। सारा की इस फोटो पर उनके दोस्त बॉलीवुडे एक्टर ने उन्हें ट्रोल किया है। सारा की फोटो पर वरुण धवन ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सारा का सारा'।

अल्लू अर्जुन की फिल्म में नजर आ सकते कार्तिक आर्यन

साल की शुरूआत में अल्लू अर्जुन की तेलुगु फिल्म 'Ala Vaikunthapurramuloo' रिलीज हुई। इस फि ल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद से फि ल्म को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया। फिल्म को यहां भी शानदार रिस्पॉन्स मिला और यह लंबे समय तक टॉप-10 में शामिल रही। अब इस फि ल्म की हिंदी रीमेक की चर्चा चल रही है। खबर के मुताबिक, अब अल्लू अर्जुन की इस फिल्म का हिंदी रीमेक इसके ओरिजिनल मेकर्स ही करेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया है कि अल्लू अर्जुन और एस राधा कृष्ण एक साथ मिलकर इसका हिंदी रीमेक कर रहे हैं। स्क्रिप्ट तैयार है और प्रोजेक्ट के लिए निर्देशक की तलाश खत्म हो गई है। ढिशूम और देशी ब्वॉयज जैसी फि ल्मों का निर्देशन कर चुके रोहित धवन इसका निर्देशन करेंगे। इसके अलावा मेकर्स दो ऐसे नई पीढ़ी के एक्टर चाहते हैं, जिनकी दर्शकों के बीच अपनी एक अच्छी पकड़ हो। खबर के मुताबिक, कार्तिक आर्यन को इस फि ल्म की पूरी स्क्रिप्ट सुना दी गई है। उन्हें अल्लू अर्जुन और राधा कृष्ण के मौजूदगी में वीडियो कॉल पर यह स्क्रिप्ट सुनाई गई है।